सुकन्या समृद्धि

इस विकासशील देश में अब
हर लड़की की होगी वृद्धि
क्योकि हमारा भविष्य सुधारेगी
भारत सरकार की योजना
सुकन्या समृद्धि.....
हमारा भविष्य भी होगा सुरक्षित
अपने पेरों पर खड़े होकर दिखाएगें
जीत लेगे अपनी मेहनत से हर वो मुकाम
और इस दुनिया को खुद बदल के दिखाएगे.....
चाहे तो बदल दे इस जमाने को भी
ना मुमकिन को मुमकिन कर जाएगें
अगर आज हम ना होती तो.....
जम ना पाती घर की नीव
हमें और आगे बडाएगी
भारत सरकार की जीत.....
सुकन्या समृद्धि से भारत सरकार ने चलाई एक मुहिम.....
बढेगी अब बेटी और

प्रतिभा सचान
B.com IIIrd year

सुकन्या समृद्धि योजना

बेटियां है एक उपहार जो हमको देता है विद्याता।
संरक्षण करो इनका द्वारा सुकन्या समृद्धि योजना खाता।
शुरूआत करो इसकी तुम खर्च कर रकम एक हजार।
जिसका मूल्य तुम भविष्य में पाओगे अपार।
जमा करो इसे जब तक बेटी हो जाए उम्र की इक्कीस साल।
फायदा दोहरा ब्याज का होगा एवं पाओ कर लाभ।
है यह योजना जो अमर करे हर परिवार।
संरक्षित होगा हमारी बेटियो का भविष्य अपार।

पवनदीप कौर बिन्द्रा

A Poem

ON

"ATAL PENSION YOJANA"

जैसे ही देश में मोदी लहर आई।

सरकार ने अटल पैंशन योजना बनाई।।

जेटली साहब ने कहा :–

बुढ़ापे में दुर्घटना या बीमारी की चिंता छोडो।

अब अपने पाँव बैंक की तरफ मोडो।।

अब आपके पैसो को हम बंचाएगे।

गरीब वर्ग को भी समाज में ऊँचा उठाएंगे।।

साठ के होने पर भी, बेटो पर अधीन नहीं।

अब होने लगा हैं देश में कुछ सही।।

चौबीस महीने तक कुछ जमा नहीं,

तो खाता बंद हो जाएगा।

थोडी सी सतर्कता भाई,

वरना बुढापे में क्या खाएगा।।

बहन हो या भाई।

ये योजना तुम सब के लिए है आई।।

18 से 24 आयु तक के नागरिक, APR फॉर्म ले आईए।

अपने उज्जवल भविष्य की आर कदम बढाईए

31 दिसंबर 2015 से पहले कदम बढाने वालो को योगदान मिलेगा।

अब देश में बेहतरीन कल का फूल खिलेगा।।

जाओ अब बैंक जाओ।

ओर अपने अच्छे दिन बटौर लाओ।।

Akansha

M.sc (Bio Science) IInd Year

दुनिया में भी बदलाव आया
नारी ने भी नाम कमाया।
कहते है ये लोग सभी
नारी ने भी पकड़ी गति।।1।।

पैसे का काम है करती डटकर
ना मुश्किल से टुटकर और झुककर
लोगों ने किया इसका दुरउपयोग,
सबने मिलकर फैंका कर उपयोग।।2।।

ताने मारते है लोग उसे,
बिन–बिन पैसे जमा करने के लिए।
लेकिन उन सबको क्या पता,
यह भी है कार्य बुरे वक्त,
घर चलाने के लिए।।3।।

अब सिर्फ न घर संभालती,
बल्कि रोज दफ्तर जाती।
दफ्तर में उसे लाखों काम,
सभी की व्यवस्था करती,
यही है उसकी पहचान।।4।।

होता है उसके पास हर पैसे का हिसाब,
लेलो चाहे आम से लेकर आलू का हिसाब।
फिर भी करते है लोग उस पर शक
कभी मारते है, कभी जलाते है और करते निरादार।।5।।

कोमल गुप्ता

बचत

पैसे तो है सभी उड़ाते,
बचत!बचत!बचत!
शब्द है ये सब से अलग,
आओ हम उसको मिलकर बचाते,
अपने भविष्य को बनाते,
अपने पैसे हम बचाते।

जब पैसे न थे जेब में नोट बन्दी के वक्त,
सब ही की हालत हो गई थी सख्त,
जब दुकानदार ने दाम बताया था,
तब बचत ही काम आया था।

न पापा के लिये, न मम्मी के लिये
बचत करो अपने लिये,
जब कोई न होगा तुम्हारा सहायक,
तब बचत ही होगी खर्च करने लायक।
इसलिए तो कहती हूँ,
करो बचत! करो बचत! करो बचत!

ईशिका त्रिपाठी
X B

पैसा

हाय! ये पैसा जब आता है तो,
कितना भगता है।
और जब चला जाता है तो,
बहुत रूलाता है।
कितना भगाता, कितना रूलाता नचाता है,
ये पैसा जब आता – जाता।

क्यों आता है ये पैसा,
क्यों चला जाता है ये पैसा।
रूक क्यों न जाता पैसा।
पकड़ो – पकड़ो इस पैसे को,
बस भागता ही जाता पैसा।

पैसा चाहे हर एक मनुष्य जो हो जीव,
बदले में माँगे पैसा हर एक चीज।
चीज यह महँगा हो या सस्ता,
जरूरत हो उसकी या इच्छा,
माँगे वह बदले में पैसा।

मेरे हाथों में जब आता पैसा,
इधर – उधर खर्च हो जाता पैसा।
है ये पैसा जब आता – जाता।
रोको – रोको, पकड़ो – पकड़ो इस पैसे को,
भागता ही जाता पैसा।

बचत करो इस पैसे की,
पल में गायब हो जाता पैसा।
सिक्के – नोट अजब है देखो भैया,
मोल है इसका बहुत बड़ा,
और नाम है रूपैया।

करो उपयोग बैंक में खोल तुम खाता,

फिर पैसा इधर – उधर भाग न पाता।
बड़े जोड़दार मेहनत से होती है कमाई,
बचाओ पैसे को अब तो भाई।
क्योंकि जब पैसा जाता है तो,
बड़ा रूलाता है।

अनुष्का
VI

नारी हूँ मैं

नारी हूँ तो क्या हुआ
पैसे को बचाना और खर्च करना जानती हूँ मै,
घर से लेकर दुकान तक एक–एक पैसे को जोड़ना जानती हूँ मै,
नारी हूँ तो क्या हुआ,
पैसे को बचाना और खर्च करना जानती हूँ मै।

कहाँ करू मै पैसा खर्च बखुब ये जानती हूँ मैं
तभी तो सब्जी मंडी में एक – एक रूपये के लिए लड़ जाती हूँ मैं,
कहती हूँ सबको की ब्यूटी पार्लर जाती हूँ मैं,
लेकिन घर में ही बेसन के लेप से काम चलाती हूँ मैं,
क्योकि पैसा बचाना और खर्च करना जानती हूँ मै।

घर के डिब्बो में खुद का बैंक बनाती हूँ मैं,
जिसमें पैसों को दूनिया के नजरों से छिपाती हूँ मैं,
कैसे करूं मै अपना बैंक बैलेंस या करूं खर्च मैं,
ये भी जानती हूँ मैं, नारी हूँ तो क्या हुआ
पैसा बचाना और खर्च करना जानती हूँ मैं।

घर में आए अनेक समस्याओं से जुझती हूँ मैं,
लेकिन उन समस्याओं में भी पैसा जोड़ना जानती हूँ मैं,
जब होती है घर में खुशियों का माहौल,
तो दो रूपए के जगह चार भी सोच – समझ कर लगती हूँ मैं,
नारी हूँ तभी पैसों को जोड़ना जानती हूँ मै।

कुमारी तन्नू

आंबा मीठी आमरी
चोसर मीठी छाछ
नैना मीठी कामरी
रन मीठी तलवार
जो मीठी या सब से
ब्याज मिश्री भरमार

आओ वाको घर बनावा, जो आपण रो घर बनावे है,

शुभ शक्ति योजना से वाने अवगत करावे है।

या छो राजस्थान सरकार री नई योजना,

जिको उद्देश्य लाडो व अविवाहित महिलाओं रो हुनर खोजना।

अब लाडो ने ओर पढ़ाओ, आगे बढ़ाओं,

इ वास्ते सरकार से 55000रू. प्रोत्साहन राशि पाओ।

ई योजना के अन्तर्गत स्वयं पंजीकृत कराओं,

व राशि सीधा बेटिया रा खाता में पाओ।

जे वास्ते ही तो कहवे लाड़ो ने कम से कम आठवीं तक पढ़ाओं,

व असि योजना की सहायता से ओर आगे बढ़ाओ।

जब बेटियाँ सँभालेली कारोबार,

माता–पिता ने होवेगो हर्ष अपार

महिमा विजय

MBA I YEAR

कविता

<u>विषय</u> : <u>प्रधानमंत्री सुकन्या समृद्धि योजना</u>

पापा देखो मोदी आया,
साथ में अपने एक योजना लाया,
प्रधानमंत्री सुकन्या समृद्धि योजना है नाम,
जिसमें मेरे लिए है कुछ काम,
दस साल के कन्याओं के लिए,
बैंक में खाता खुलवाता है,
उनके उज्जवल भविष्य के लिए,
यह कार्य करता है।
में भी दस साल की हो गई पापा,
मेरा भी खाता खुलवा दो ना,
खाता न्युनतम एक हजार का खुलेगा,
बाद में पैसा खुब बढ़ेगा।
मैं भी पढ़ लिखकर खुब कमाऊँगी,
साथ आपके हाथ बटाऊंगी,
पैसे जोड़ेगे दोनो मिलकर,
देश बढ़ाएंगे दोनों आगे मिलकर,
देश बढ़ाएंगे आगे मिलजुल कर।
दुनिया का काम है देखना – कहना,
आप का कर्त्तव्य है पढ़ना,
मुझे भी आगे पढ़ना है,
साथ में दुनिया के चलना है।
कपड़े नहीं है आपकी पहचान,
बेटी को बचाओ और बदलो अपने विचार।

अगर उसे भी दोगे खुला आसमान,
तो बेटी भी बढ़ाएगी परिवार का मान अपार।
आज की दुनिया गेरों की बेटी पर जान देती है,
अपनी बेटी होने पर उसकी जान लेती है।

अनुराधा खण्डेलवाल

कविता

रिश्तों के रूप बदलती है बेटियाँ।

नये – नये साँचे में ढलती है बेटियाँ।

एक घर को मन्दिर बनाती है बेटियाँ।

जैसी ये आज है।

कल ये वैसी ना थी।।

खुद की ख्वाहिशें छोड़ दूसरों की ख्वाहिशें पूरी करने है चली।

माँ बाप बेटियों को बोझ ना समझे

इसलिए सरकार ने चलायी है नयी–नयी योजनाएँ।

फिर से जीने का मौका कैसे माँगू।।

ये कहकर रोती है बेटियाँ।

दी है सरकार ने नयी – नयी सुविधाएँ बेटियों को

पढ़–लिख कर कुछ काम करे तू।

पढ़ेगी बेटियाँ तो बढ़ेगा कुल

ऐसे ही शिक्षित होगा ये कुल।।

वो अभिमान है मेरा

सम्मान है मेरा।

हर माँ–बाप की है ये तमन्ना

''अगले जनम मोहे बिटिया ही देना''।

पत्थर तब तक सलामात है जब तक वो पर्वत से जुड़ा है।

पत्ता तब तक सलामत है जब तक वो पेड़ से जुड़ा है।

इंसान तब तक सलामत है जब तक वो परिवार से जुड़ा है।

क्योंकि परिवार से अलग होकर आजादी तो मिल जाती है।

परंतु संस्कार चले जाते है।

साक्षी गोयल

BCA II Year

सुकन्या समृद्धि योजना

2015 में केन्द्र सरकार ने शुरू की छोटी बचत योजना।
जो है बेटियों के लिए, नाम है सुकन्या समृद्धि योजना।।
बनाये हैं सरकार ने इनमें कई प्रावधान।
लैंगिक असामानता करने वाले हुये सावधान।।
ग्राहक द्वारा आवश्यक दस्तावेज देकर योजना से जुड़ता है नाता।
तीन बेटियों के लिए खुल सकता है बैंक में खाता।।
0–10 वर्ष तक खाते का हो सकता है संचालन।
21 वर्ष तक इस योजना से बेटी का हो सकता है पालन।।
ग्राहक डाल सकते हैं 1000–150000 रूपये प्रतिवर्ष।
बेटी का भविष्य हो उज्जवल और उत्कर्ष।।
निकाले जायेगें रकम सिर्फ पढ़ाई और विवाह हेतु।
यह योजना है जैसे दो सागर के बीच सेतु।।
यह योजना है कर – मुक्त और ब्याज से संबद्ध।
कर्ज के लिए नहीं होना पड़ेगा कही करबद्ध।।
है उद्देश्य, लड़कियों के प्रति मानसिकता का हो बदलाव।
ना हो कोई असामानता, ना ही कोई बदलाव।
ना हो कोई असमानता, ना ही कोई भेदभाव।।
सरकार ने बनाई ऐसी योजना, जिसमें सब हैं जागे।
बदल रहा है देश, लड़कियाँ बढ़ रही है आगे।।
चलता रहेगा ये समानता का सिलसिला।
आता रहेगा इस योजना में और नियमों का काफिला।।
सुकन्या समृद्धि से नाता है जोड़ना।।

तान्या वागेश्वरी

B.A. LL.B. III Year

मेरी सबसे बडी बचत

मेरे बडे भाई रोज मुझसे कहा करते,
बचत ही है हर ताले की चाबी भाई,
पर हम रोज सुनने के बाद भी, मुझे ये बात
अभी तक न समझ में आई,
रोज सुनकर उनकी बात को, मैं फिर भूल जाता
और उनसे डाँट खाता,
एक दिन मुझे समझाने को उन्होने एक कविता
बनाई'' जैसे एक एक तिनके से बनता है द्योसला,
आज की बचत है कल की होशियारी
अभी से दिखा दो तुम समझदारी।''
तब जाकर कही तो समझ आई,
फिर शुरू की मैने बचत थोडी थोडी
प्रश्न था मन में बस एक,
क्या होगी इससे मेरी हर जरूरत पूरी
भाई ने कहा, हाँ इसी से होगी तुम्हारी हर जरूरत पूरी,
कुछ सालों बाद अचानक एक दिन
ना जानें क्यों, घर में अशांति सी फैल गई,
पूछा तो पता चला की मेरी माँ की न थी तबियत सही,
उनको थी एक ऐसी बीमारी
जो थी एक ऐसी बीमारी
जो थी आर्थिक रूप से हम सब पे भारी,
कुछ धन पिताजी लेकर आए कुछ लाए भईया मन
में प्रश्न आया मैं कहा से लाऊँ मईया
तब उस डब्बे का याद आया, जिसमें या मैने कुछ धन बचाया,
वही धन मैंने पिताजी और भईया को दिया
और अपने बेटे होने का फर्ज पूरा किया,
कुछ समय बाद पूरी सही थी माँ
उन्हें देखकर मेरे मन में बस एक ख्याल आया,
क्या यही थी मेरी सबसे बडी बचत
हाँ यही थी मेरी सबसे बड़ी बचत

अग्रिमा द्विवेदी

10th B

स्वरचित कविता

सुकन्या समृद्धि योजना

ओंस की बूँद सी होती है बेटियाँ,
हर दर्द को हँसकर सहती है बेटियाँ।
बेटा तो करेगा रोशन एक ही कुल को,
दो दो कुलो की लाज को खेती है बेटियाँ।।
ये सारी कहावते है, जो है लिखी हर किताब में,
क्युँ फिर भी बेटियाँ बोझ है लिखा है रीति रिवाज में।
क्यूँ नही समझ पा रहा है यह समाज,
बेटियों की महिमा को जानकर भी, क्यो बन रहा है अनजान।।
पर मैं पूछती हूँ इस समाज से, क्यूँ बेटियाँ है इस हद तक पाबंद,
क्यूँ! उनकी शिक्षा से ज्यादा, करते है सब दहेज का प्रंबध।
जन्म से ही माता–पिता को, रहती है बस यही चिन्ता,
कैसे हो पाएगी घर से विदा, उनकी लाडली बिटियाँ।
इन सब कारणों का रखते हुए ध्यान, सरकार भी आई है करने बिटिया के सपने साकार,
और लगाने माता–पिता की चिंता, चिंता रूपी नैया को पार।
''बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' थी सरकार की नई पहल,
जिसके अर्न्तगत 2014 में आई, सुकन्या समृद्धि योजना रूपी किरण।
10 वर्ष तक की बेटी का खाता, खोल सकते है अभिभावक,
एक माता पिता की दो बेटियाँ, है योजना की लाभ पात्रक।
बेटियों के भविष्य के लिए, 1000रू. है न्यूनतम निवेश,
1.5 लाख तक प्रतिवर्ष निवेश के साथ मिलेगा 9 प्रतिशत का ब्याज विशेष
खाता खोलने के 14 वर्ष तक, कर सकते है योजना में निवेश
21 वर्ष या विवाह तक है, खाता चालू रहने की घड़ी शेष।।
वार्षिक ब्याज है इस योजना में, पूरी तरह से करमुक्त,
योजना की ये सारी विशेषताएँ, कर देगी सबको चिंता विमुक्त।
अब बात आई जरूरी कागजों की, लेने इस योजना का लाभ,
जन्म प्रमाण पत्र हो बेटी का ये है सबसे जरूरी बात।
बारी है अब बताने की, इस योजना की सबसे अहम बात,
18 वर्ष की उम्र में, निकाल सकते है आधा अंशदान
सरकार ने बताए दो कारण, करने समय से पहले निकास
शादी या फिर पढ़ाई या फिर पढ़ाई में से, चुन सकते है एक विकल्प खास।
आओ हम सब बने इस योजना के भागीदार,
क्योकि भार नही है बेटी, है वो आधार
और शिक्षा है उसका पूर्णरूपेण अधिकार

इस योजना के द्वारा, अब हम समाज की सोच उढाएँ
करने को बिटिया के सपने साकार, ''बेटी बचाएँ बेटी पढ़ाएँ''

शिखा शर्मा

एम. बी.ए. प्रथम वर्ष

सुकन्या समृद्धि योजना

बेटी ना रहे मां–बाप पे भोझ,
हुअी सुकन्या समृद्धि योजना की खोज,
अल पढके बेटी बनेगी अफसर,
दिया इस योजना ने ऐसा अवसर,
सपने होगे बिटिया के पूरे,
इस योजना के जरिए।
दे रही है योजना ऐसी सुविधा,
दूर होगी हर एक दूविधा।
अगर बिटिया है दस वर्ष से कम,
तो इस योजना के अंतर्गत एक खाता खुलवाओ,
ज्यादा नही बस बेटी का जन्म प्रमाण पत्र दिखाओ,
प्रति महिना बस हजार रूपये जमा करवाओ,
वार्षिक ब्याज 9.1 प्रतिशत पाओ।
अगर गई है बिटिया की शादी की उम्र,
तो भी नही है कोई फिक्र,
समय से पूर्व खाते से राशि निकलवाओ,
और बेटी की शादी का खर्चा उठाओ,
रानी बनकर बेटी को विदा करो,
बस कुछ बात का इसमें ध्यान रखो,
18 वर्ष की हो जाये बेटी बस इस बात का सब्र रखो,
18 वर्ष से पहले ना निकलेगी खाते से राशि,
अगर ना मानी ये बात,
तो हो सकती है परेशानी।
तो अपने नजदीकी डाक घर जाओ,
और जल्दी से ये खाता खुलवाओ,
बस यही है मकसद इस योजना का,
बेटी रहे खुश हमारी,
ना रहे वो किसी पे भारी,
तो इस योजना का लाभ उठाओ,
बेटी बचाओ, बेटी पढाओ

मोनिका अग्रवाल

नारी और पैसो का प्रबंधन

पैसों का प्रबंधन ऐसे करती है नारी,
हर कोई जाए उनकी इस कला पर बलिहारी।।
पाई – पाई जोड़कर, रखती है पूरा हिसाब
हर कोई ऐसे नहीं कर सकता जनाब
चाहे हो कोई अध्यापिका, हो मैनेजर या हो गृहिणी पर बजट बनाकर चलती है
पैसे की कीमत वो अच्छे से समझती है अपनी हर भूमिका वो अच्छे से अदा करती है।।

पैसे चाहे कम हो या हो ज्यादा
पूरा घर वो संभालती है
इतने खर्चो के बाद भी, बचत वो करती है
ना जाने इतना सब कैसे कर पाती है वो
हर घर की जान समझी जाती है जो।।
चाहे हो अनपढ़ या हो पढ़ी – लिखी
पर सोच – समझकर चलती है
बडो से सलाह लेकर
पैसों को निवेश वो करती है
दुःखों को कम कर खुशियाँ वो लाती है
ना जाने इतना सब कैसे कर पाती है।।
हर कोई उन्हें पढ़ने या पैसे कमाने का मौका नही देते
पर गृहिणी होकर भी वो एक योग्य पैसा प्रबंधक कहलाती है
उनकी यह कला हर किसी को पैसों का सदुपयोग करना सिखलाती है।।
पैसे बचाने की कला तो नारी में बचपन से ही आ जाती है
जब वो अपने नन्हें – नन्हें हाथों से एक – एक रूपया अपनी गुल्लक में डालकर बचाती है
और ऐसे ही ना जाने कब वो बेटी से बहू का सफर तय कर जाती है
बहू बनकर भी पैसों का अच्छे से प्रबंधन करती है वो
हर घर की नींव समझी जाती है जो।।
वो कभी कंजूसी नही करती है
हर किसी का मान भी रखती है
पर पैसों का प्रबंधन भी अच्छे से करती है बचत करती है।
निवेश के स्त्रोतों को वो परखती है

फिर पैसों को निवेश कर चैन की साँस वो लेती है
और हर किसी को एक प्यारी सी सीख देती है कि
''पैसा बचाना और निवेश करना ही,
असल में पैसा कमाना है।''
नारी, पैसे का प्रबंधन ऐसे करती है यार
हर कोई उनकी इस कला के सामने मान जाता है हार,
अंततः यही कहा जा सकता है कि
अगर औरत ना होती तो,
दुनिया के सारे पैसे कोई मायने ना रखते।।

पूजा रानी

BBA III rd Year

<u>विषय : धन प्रबंधन / वित्तीय साक्षरता</u>

वर्तमान सरकार ने धन प्रबंधन पर दी जनता को अनेक स्कीमे,

जिसमे उन्होंने बताये है बचत करने के अनेक तरीके ।

अटल पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना आदि है सब धन प्रबंधन के पर्यायवाची ,

जिनमे बचत करके इंसान दे सकता मेहगाही को फान्सी ।

वित्तीय साक्षरता से हटा दो सभी बाधाएं धन प्रबंधन के पथ की,

इसी से मिटेगी सारी आशंकाए और नींव रखी जाएगी धन प्रबंधन के रथ की ।

धन प्रबंधन मे अवश्य लो महिलाओं का विचार विमर्श,

क्योंकि इस काम मे महिलाएं होती है प्रखर ।

वित्तीय साक्षरता मे है ज़माने को वदलने की शक्ति,

यही उज्जवल करेगी विकसित भारत की ज्योति ।

लेखक :

निमिषा सिंघल लाखी

बुलन्द हौसलों की तस्वीर

मितव्ययिता की मुरत हैं, लक्ष्मी जी की पूरक हैं

लक्ष्य को हासिल करती, हर घर की जरुरत हैं

ना करों इससे कोई बैर, हिसाब किताब की हैं ये शेर

घर हम महिलाओं से चलता, रखो भरोसा न करो देर

बजट में रखें ये सबका ध्यान, छोटे बडे रखे सबका मान

कम पडने पर करे खुद त्याग, ना करें कभी किसी को नाराज

घर परिवार हो या व्यापार, एक सी हैं इनकी रफतार

हर चीज का मुल्य समझती, लक्ष्य को देती आकार

घर की हैं ये बुनियाद, सोच समझकर खोलती हैं हाथ

देती हर किसी को बराबर भाग और दे वह सभी का साथ

काम घर का हो या आफीस का, ध्यान रखे वह हर चीज का

न कम पडे नमक, न कभी पानी न करें कभी कोई बेईमानी

ऐसी चलती रहें हम भारतीय महिलाओं की रवानी

-- रिया जैन

Topic- PPF (पब्लिक प्रोविडेंट फण्ड)

इनकम टैक्स बचत का, एक सरल विकल्प मिल गया हमें

सरकार की ही एक ऐसी तरकीब, जो सवार पाए कल हमारा

नाम सुना, PPF (पब्लिक प्रोविडेंट फण्ड) के नाम से मशहूर वो

बचत भी, निवेश भी, कोशिश यही के हो लाभ तुम्हारा |

पोस्ट ऑफिस या सरकारी बैंक, खाता खोल पाए हम कहीं भी

कुर्की मुक्त होना भी तो इसकी एक बड़ी विशेषता को जताता है

एकल सा नाबालिग भी खोल पाए, ना ही इसमें उम्र की सीमा कोई

पांच सौ से डेढ़ लाख तक सीमित होना ही इस को खास बनाता है |

प्रति साल, सरकार खुद-ब-खुद ही इसकी ब्याज दर की घोषणा करे

वार्षिक तौर पर गणना होने पर, इसकी कमाल झलक दिखती है

जहाँ निवेश की राशि पर मिले ब्याज की छूट हमें, वहीँ दूसरी और,

परिपक्वता पर मिलने वाली राशि पर भी टैक्स से राहत मिलती है |

हैं लाभ इसके अनेक, जो हम वो लाभ उठाने के लायक बने

वो होगा तभी जब इस खाते में, निवेश करने के बारे में सोचेंगे

हाँ कुछ उम्मीदें पूरी नहीं हो पाती हैं हमारी सरकार द्वारा, लेकिन

सरकार की इस कोशिश से जो लाभ होगा, हम ही तो भोगेंगे |

- Veronica Garg

(MBA)

Rich dream: “Equity Linked Savings Scheme”

Keeping close to heart, holding tight a piggy bank (small savings)

Plucky girl questions a young banker, about the saving plan

Amazed at her stream of thoughts, he smiles over & over again

His quest grows more, asks, “Mam, how financial independent you became?”

“Financial independency is rationally saved & more wisely invested”, she replies

Starts describing about the saving schemes, banker stares her head held high

Begins the Shower of plans & schemes as MF, APY, Sukanya& insurance

Girl spells her beans out for her financial goals & her endurance.

Assessing her liquidity needs, investing tenure & finally her investment appetite

Banker reveals the product for her & ELSS came into limelight

Pools of investors partying in financial market, dancing on beats of NAV

Options of investing lump sum OR SIP, you can choose in equity.

“Greater the risk, So great are the returns “, equity delivers,

For a handsome lock in period, taxation benefits it favors.

In line of thousands of funds, choice made of Axis long term equity scheme

Previous benchmark performance of 28% CAGR, was merely a dream

Vigorous portfolio & starred fund managers, 9000crore is its accumulation

Starting with little, investors realize the power of equityannuation.

“Vivid decision of investment, strengthens & makes girl stands out

Be wise! Invest Early !be rich on your own apart from the crowd.”

ParulChaudhary

Alumni : MBA (Batch 2013-15)

WISDOM, Banasthali

SHUBH SHAKTI YOJNA

अब मैं बूढ़ी होने लगी हुँ ।
अब मैं अपनी शक्ति खोने लगी हुँ।।
मै प्यासी थी बचत की,
जब से जाना है "शुभ शक्ति योजना "की गहराई को
सारी चिंता खोने लगी हुँ।
क्योंकि अब मै आत्मनिर्भर होने लगी हुँ।।

उम्मीद नहीं थी रोजगार की,
समाज की गालियां और लात मिटाते थे भुख दिन चार की ।
अब बस अपनी बेटी के सपनो को बुनने लगी हुँ ।
अब बस "शुभ शक्ति" को चुनने लगी हुँ।
क्योंकि अब मै आत्मनिर्भर होने लगी हुँ।।

घर की व्यवस्था
बेटी की शादी, पैसो की चिंता सब को
खोने लगी हुँ।
खाने को दाना नहीं था,
अब तो बिमा भी कराने लगी हुँ।
जिने की उम्मीद कहाँ थी,
अब निःशुल्क इलाज कराने लगी हुँ।
क्योंकि अब मै आत्मनिर्भर होने लगी हुँ।।

Aditi
B. com. ll. b (II year)
Banasthali vidyapith

अटल पेंशन योजना

अटल आपकी इच्छा थी जो

मोदी जी ने कर दी पूरी

देकर नाम आपका उसको

बना दिया बुढ़ापे का सहारा

पेंशन है गरीबों को

देश की जनता का है ध्यान

जवानी की कमाई जाएगी

बुढ़ापे में काम आएगी

न रहेंगे वृद्धजन किसी पर निर्भर

स्कीम राष्ट्र को दे दी है

अटल आपकी इच्छा थी जो

मोदी जी ने कर दी पूरी॥

- Aditi Agarwal

Piggy Bank

When little, she played with toys,

Says were full of happiness and Joy.

Made the piggy bank full of coins,

When overloaded she made their joins.

Started going to the school,

Teachers taught to save the money and its role.

Medium class girl with dreams so far,

Wished to have a long and pretty car.

Growing age with full of dreams,

Colorful world with colourful creams.

Started collecting rupess with lots of zeal,

Learned to invest & how to deal.

Made plans to use them properly,

Started hardworking waking up early.

Days came & she was ready for her marriage

Investing the saved money she opened a garriage.

Collected rupees like one, two, three

One day come when she became free.

Then, she buyed a ling and pretty car

And made her dream no more far.

She saved the money & fulfilled her dreams.

What about yours?

So, start saving money not from today from now and

Made your dreams come true

- Gagandeep Kaur (VI Class)